लक्ष्मी जी की आरती..

ॐ जय लक्ष्मी माता, तुमको निस दिन सेवत,
मैया जी को निस दिन सेवत
हर विष्णु विधाता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

shivaarti.com

उमा रमा ब्रम्हाणी, तुम ही जग माता
ओ मैया तुम ही जग माता
सूर्य चन्द्र माँ ध्यावत, नारद ऋषि गाता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

shivaarti.com

दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पति दाता
ओ मैया सुख सम्पति दाता
जो कोई तुम को ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शुभ दाता
ओ मैया तुम ही शुभ दाता
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भव निधि की दाता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

shivaarti.com

जिस घर तुम रहती तहँ सब सदगुण आता
ओ मैया सब सदगुण आता
सब सम्बनव हो जाता, मन नहीं घबराता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

shivaarti.com

तुम बिन यज्ञ न होता, वस्त्र न कोई पाता
ओ मैया वस्त्र ना पाटा
खान पान का वैभव, सब तुम से आता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

शुभ गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता
ओ मैया क्षीरोदधि जाता
रत्ना चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

shivaarti.com

धुप दीप फल मेवा, माँ स्वीकार करो
मैया माँ स्वीकार करो
ज्ञान प्रकाश करो माँ, मोहा अज्ञान हरो
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||

shivaarti.com

महा लक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता
ओ मैया जो कोई गाता
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता
|| ॐ जय लक्ष्मी माता ||